ISO No. 21001:2018 ESTD :2003

कमला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धौलपुर (राजस्थान)

राजस्थान सरकार द्वारा स्थाई मान्यता प्राप्त एवं
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर द्वारा स्थाई सम्बद्धता प्राप्त
National Assessment& Accreditation Council (NAAC) द्वारा प्रदत
GRADE "B"
गिर्राज कॉलोनी, धौलपुर (राज)
विवरणिका–Prospectus

9785552515,9530308515 kamlamahavidhyalaya@gmail.com

web-: https://kpgc.kspm.org.in

अध्यक्ष	सचिव	निदेशक	प्राचार्य
डॉ0 रामरज लाल शर्मा	श्री मन्दीप शर्मा	डॉ0 राजेश कुमार शर्मा	डॉ0 पी0एस0 तिवारी

सन्देश

प्रिय विद्यार्थियो,

आपने उच्च माध्यमिक अथवा स्नातक शिक्षा के सोपानों को पार कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मानस बनाया होगा, यह अवसर कतिपय कारणों से सबको सुलभ नहीं हो पाता है। आप मानव जीवन में अवसर और समय के महत्व को समझें, यह सर्वोपरि है। शिक्षा के इस मंदिर में महाविद्यालय परिवार की ओर से आपका बी.ए., बी.एस सी., एम.ए., एम.एस सी. कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त करने के लिए हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

इस अंचल में यह संस्था अपने गौरवपूर्ण बीस सत्र पूरे कर चुकी है। आपको इस महाविद्यालय में प्रबुद्ध एवं सुयोग्य प्राध्यापकों के सानिध्य में ज्ञानार्जन का वात्सल्यपूर्ण परिवेश मिलेगा। आप अपने संकाय एवं विषयों का चयन अपनी रुचि, योग्यता एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों को वरीयता देकर करें।

सफल जीवन का चिरग्राही सूत्र अनुशासन है, इसे संकल्प सहित आचरण में समाहित करें, साथ ही परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए साधन की शुचिता को श्रेष्ठ मानें। अन्य संस्थानों के द्वारा कम शुल्क में परीक्षा उत्तीर्ण कराने की गारण्टी तथा अच्छे अंकों आदि के प्रलोभनों पर आप अवश्य चिन्तन करें व अपने उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक बनें। आप अपने आपको गुटखा, पान, शराब, व धूम्रपान, जैसे दुर्व्यसनों से पूर्णतः दूर रखें। स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखें।

मेरी हार्दिक कामना है कि आप इस महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर जीवन में सफलता के शीर्ष पर पहुंचें तथा राष्ट्र और समाज के लिए अपना निरन्तर योगदान करते रहें।

डॉ. रामरज लाल शर्मा
अध्यक्ष
रमन सोसायटी, धौलपुर

प्राचार्य सन्देश

प्रिय विद्यार्थियो,

कमला स्नातोत्तर महाविद्यालय, धौलपुर ने अपनी स्थापना के समय से ही जिले के सबसे दूरदराज के इलाकों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर प्रदान करने का सपना देखा था। कई वर्षों की अवधि में, कॉलेज ने उन छात्रों के सपनों और आकांक्षाओं का पोषण किया है, जिन्होंने न केवल राज्य में बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यता साबित की है। संस्था का मानना है कि छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए एक अनुकूल वातावरण एक शर्त है। हमारे विद्वान प्रोफेसर अपने छात्रों के भविष्य को आकार देने के लिए आवश्यक सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। गैर–शिक्षण कर्मचारी भी कॉलेज में छात्रों की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए समर्पित हैं। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में एक सूत्रधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रत्येक संस्थान को समय के साथ चलने की आवश्यकता है। इसके लिए, हम छात्रों को अच्छी तरह से सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम, लैब, जिम की सुविधा के साथ–साथ एक अद्यतन पुस्तकालय प्रदान करते हैं। इस कॉलेज में छात्रों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाने का भी प्रयास करते हैं, जिसमें वे बिना किसी बाधा के पाठ्यक्रम और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में स्वतंत्र रूप से भाग ले सकें। छात्रों को न केवल राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, बल्कि कॉलेज में NSS और विभिन्न अन्य क्लबों और प्रकोष्ठों द्वारा आयोजित अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम छात्रों को शोधार्थी सोच विकसित कराने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करवाते हैं साथ ही शोधार्थी कार्य करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन कराते हैं।

छात्रों को कॉलेज में सर्वोत्तम अवसंरचनात्मक सुविधाएँ और कुशल जनशक्ति प्रदान करने के लिए प्रयास किए जा सकते हैं, लेकिन यह भी सच है कि छात्रों में जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी, निष्ठा और कड़ी मेहनत के विचारों को डाले बिना कोई सफलता हासिल नहीं की जा सकती है। मुझे उम्मीद है कि जो छात्र नई शुरुआत की दहलीज पर हैं, वे इन शब्दों से प्रेरणा लेंगे और अपने भविष्य के प्रयासों में सफलता के शिखर तक पहुँचने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। आइए हम जिम्मेदार नागरिक, कुशल और विद्वान पेशेवर बनाने के लिए काम करें जो एक नए रूपांतरित समाज के निर्माण में एक अभिन्न भूमिका निभाएंगे।

डॉ. पी0एस0 तिवारी
प्राचार्य
कमला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धौलपुर

महाविद्यालय संचालन समिति – रमन सोसायटी, धौलपुर
(रजि.नं. 58–धौ–2002–2003)

1. डॉ0 रामरज लाल शर्मा	–	अध्यक्ष
2. श्री ऋषिकेश शर्मा	–	उपाध्यक्ष
3. श्री मन्दीप शर्मा	–	सचिव
4. श्रीमती गोमती शर्मा	–	उपसचिव
5. श्री नीरज बाबू	–	कोषाध्यक्ष
6. डॉ. पी.एस. तिवारी	–	परामर्शदाता एवं सदस्य
7. डॉ. युगल बिहारी पाराशर	–	परामर्शदाता एवं सदस्य
8. श्री विजेन्द्र रावत	–	परामर्शदाता एवं सदस्य
9. श्रीमती प्रेरणा शर्मा	–	सदस्य
10. श्रीमती कमलेश शर्मा	–	सदस्य
11. श्री संजीव शर्मा	–	सदस्य
12. श्री रामकुमार	–	सदस्य
13. श्रीमती विद्या	–	सदस्य
14. श्री रामचरन	–	सदस्य
15. श्रीमती राकेश शर्मा	–	सदस्य
16. श्री रोहिताष सिंह	–	सदस्य
17. श्रीमती रीना	–	सदस्य

मान्यता सम्बन्धी जानकारी

स्थाई मान्यता – राजस्थान सरकार (आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा) पत्र क्रमांक एफ4 (112) आकाशि/नि.सं./2003/736 दिनांक 22.01.2016

स्थाई सम्बद्धता – महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर (राज.) पत्र क्रमांक– प.3(26)/मसूबृवि/अकाद-II/2021/1633 दिनांक 18.11.2022

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा प्रत्यायित Grade "B" – पत्र क्रमांक NAAC/WH/Cert./EC(182SC)/Cycle-1/RJCOGN113579 दिनांक 23.02.2024

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Kamla PG College, Dholpur
Near Narrow Gauge Railway Line, Girraj Colony, Dholpur,
affiliated to Maharaja Surajmal Brij University, Rajasthan as
Accredited
with CGPA of 2.08 on four point scale
at B grade
valid up to January 16, 2029

Date : January 17, 2024

Director

Certificate

Certificate of Registration

This is to certify that

KAMLA PG COLLEGE DHAULPUR RAJASTHAN

GIRRAJ COLONY, DHAULPUR, RAJASTHAN, INDIA

has been assessed and found comply with requirement of

ISO 21001:2018

Management Systems for Educational Organizations

For the following activities

PROVIDING UNDERGRADUATE PROGRAMMES AND POSTGRADUATE PROGRAMS

Date of Registration	03 July 2023
1st Surveillance Due	02 July 2024
2nd Surveillance Due	02 July 2025
Certificate Expiry (subject to the company maintaining its system to the required standard)	02 July 2026

Certificate Number: 204030723

To Verify this certificate please visit at www.qvcert.co.uk

Authorised Signatory

Quality Veritas Certification Limited

Validity of this certificate is subject to annual surveillance audits done successfully

This Certificate Of Registration Remains The Property of Quality Veritas Certification Limited and Shall be Returned Immediately Upon Request

Email:- info@qvcert.co.uk Website:- www.qvcert.co.uk

Suit 48, 88-90 Hatton Garden, London, EC1N 8PN, UK

CERTIFICATE

EHS alliance

CERTIFICATE

PRESENTED TO

KAMLA P.G. COLLEGE

Near Narrow Gauge Railway Line, Girraj Colony,Dholpur

That has been assessed by EHS Alliance Services for the comprehensive study of Energy Audit on institutional working framework to fulfill the requirement of

ENERGY AUDIT

ACADEMIC YEAR 2023-24

The energy-saving initiatives carried out by the institution have been verified in the report submitted and were found to be satisfactory.

The efforts taken by management and faculty towards all types of energy used in the institution and sustainability are highly appreciable and noteworthy.

SIGNATURE

EHS ALLIANCE SERVICES GURGAON

23.11.2024
DATE OF AUDIT

EHS ALLIANCE SERVICES, PLOT A-72, SURYA VIHAR, GURUGRAM, 122001
WWW.EHSALL.IN | BUSINESS@EHSALL.IN | EHSALLIANCE@GMAIL.COM

EHS alliance

CERTIFICATE

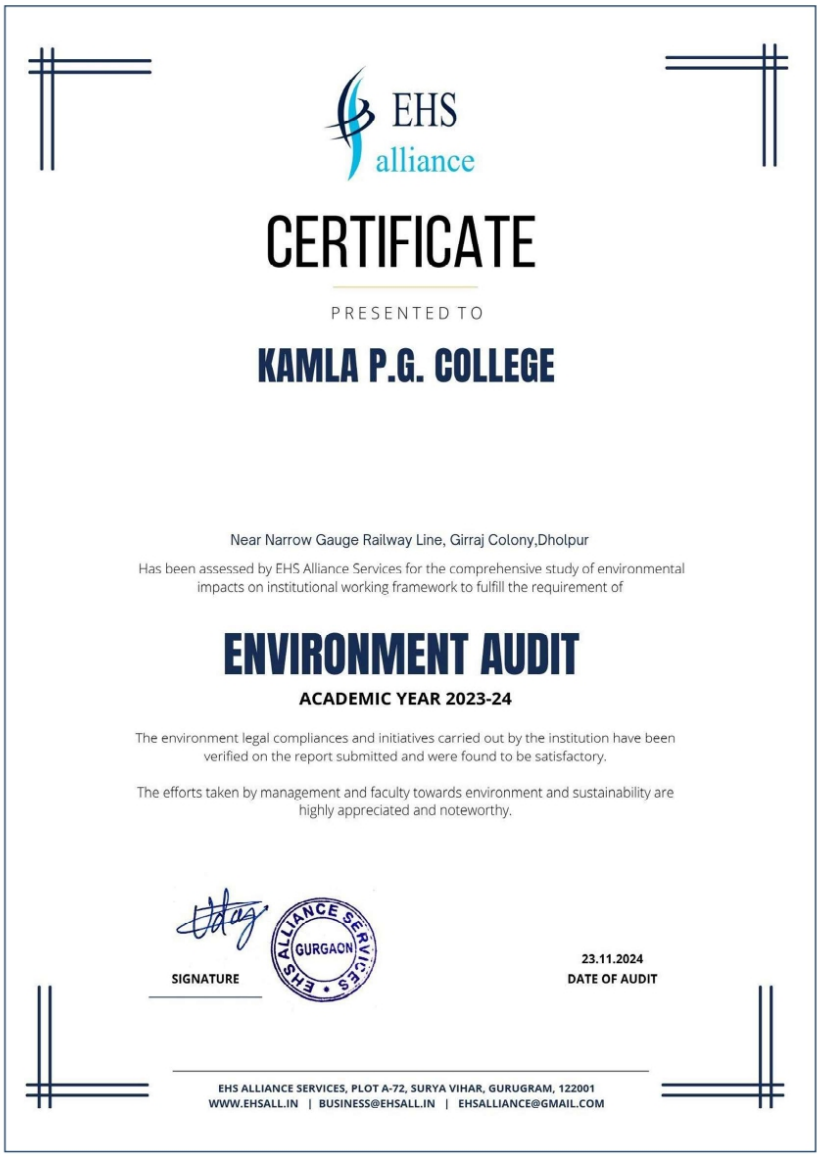

EHS alliance

CERTIFICATE

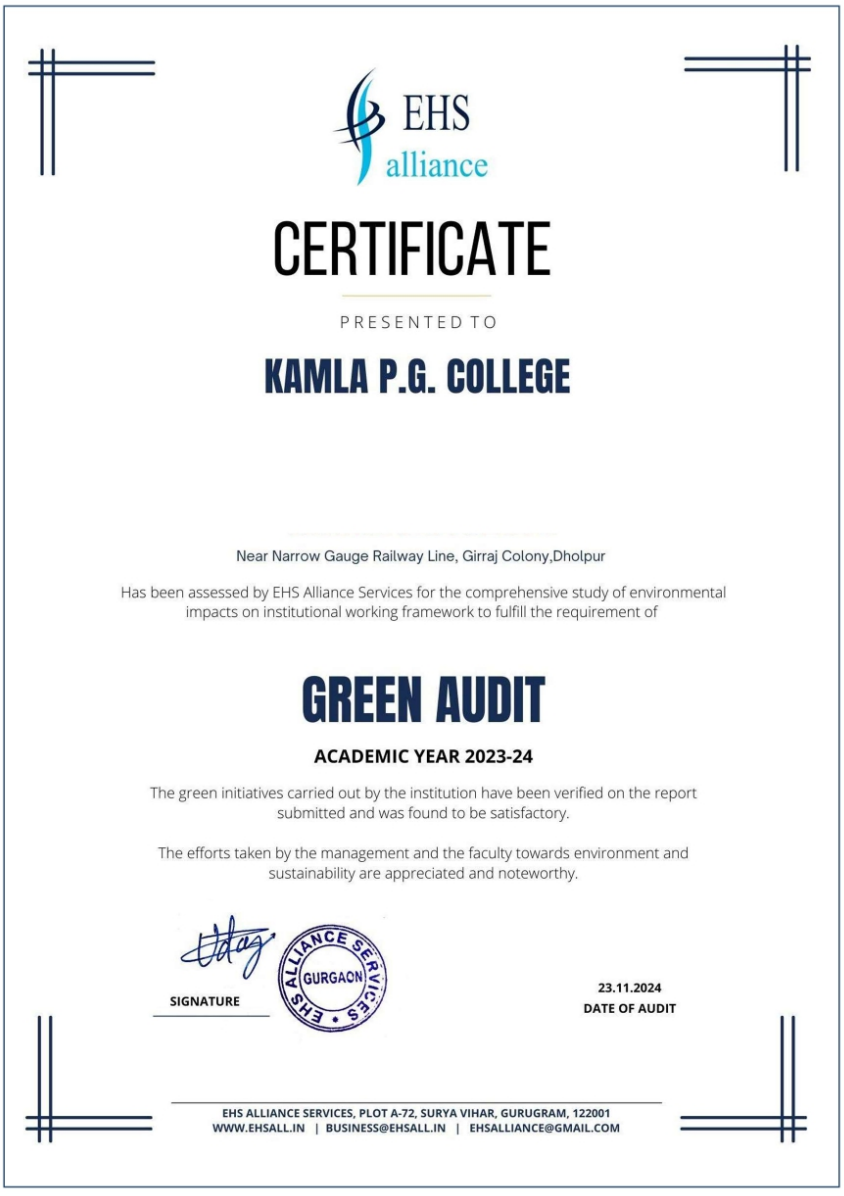

EHS alliance

CERTIFICATE

PRESENTED TO

KAMLA P.G. COLLEGE

Near Narrow Gauge Railway Line, Girraj Colony,Dholpur

Has been assessed by EHS Alliance Services for the comprehensive study of environmental impacts on institutional working framework to fulfill the requirement of

GREEN AUDIT

ACADEMIC YEAR 2023-24

The green initiatives carried out by the institution have been verified on the report submitted and was found to be satisfactory.

The efforts taken by the management and the faculty towards environment and sustainability are appreciated and noteworthy.

SIGNATURE

EHS ALLIANCE SERVICES GURGAON

23.11.2024
DATE OF AUDIT

EHS ALLIANCE SERVICES, PLOT A-72, SURYA VIHAR, GURUGRAM, 122001
WWW.EHSALL.IN | BUSINESS@EHSALL.IN | EHSALLIANCE@GMAIL.COM

कमला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धौलपुर (राज0)

National Assessment& Accreditation Council (NAAC) द्वारा प्रदत

GRADE "B

महाविद्यालय का ध्येय/लक्ष्य कथन

(Mission Statement)

"सा विद्या या विमुक्तये"

लक्ष्य

मानव कल्याण

1. धौलपुर नगर व उसके सेवा क्षेत्र के निवासियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करना।
2. शिक्षा के साथ ही संस्कारवान, अनुशासित और राष्ट्रीयता की भावना से ओत–प्रोत युवा पीढी को तैयार करना।
3. जिले में एक आदर्श शिक्षा केन्द्र स्थापित कर, जन समुदाय के मानसिक स्तर को सामाजिक सरोकार के साथ सकारात्मक दिशा प्रदान कराना।
4. आर्थिक विकास के साथ हो रहे भौतिक परिवर्तन को आत्मसात करने हेतु विद्यार्थियों को शारीरिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से सक्षम बनाना।
5. व्यावसायिक एवं रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर युवाओं में स्वावलम्बन की भावना पैदा करना तथा पर्यावरण सुधार, सामाजिक आर्थिक प्रगति एवं राष्ट्र उत्थान हेतु जन जागृति लाना।

महाविद्यालय का परिचय :

यह महाविद्यालय राजस्थान के पूर्वी द्वार धौलपुर की गिर्राज कॉलोनी में स्थित है। यह कॉलोनी आगरा से धौलपुर की और आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3 के बांयी ओर जिरोली रेल्वे फाटक के पास स्थित है। इस महाविद्यालय का संचालन एवं प्रबंधन पंजीकृत रमन सोसाइटी, धौलपुर के द्वारा किया जाता है। सोसाइटी ने वर्ष 2003 (जुलाई) में रमन संस्थान महाविद्यालय के नाम से इस संस्था का शुभारम्भ किया, लघु समय अन्तराल के बाद महाविद्यालय का नाम राज्य सरकार की स्वीकृति प्राप्त होने पर कमला महाविद्यालय कर दिया गया। यह महाविद्यालय सह शिक्षा का प्रमुख केन्द्र बन कर अपने कदम बढ़ा रहा है। स्थापना वर्ष में इसका संचालन सोसायटी अध्यक्ष के निजी भवन में ही हुआ परन्तु दूसरे सत्र में ही इसका स्थानान्तरण नए भवन में कर दिया गया, जिसमें कक्षा–कक्ष प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं कार्यालय शाखा योजनाबद्ध ढंग से निर्मित हैं।यहाँ अध्यापन सुयोग्य संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है। महाविद्यालय, महाराजा सूरजमल बृजविश्वविद्यालय भरतपुर से स्थाई सम्बद्धता प्राप्त है एवं राजस्थान सरकार द्वारा स्थायी मान्यता प्राप्त है। सत्र 2024 में महाविद्यालय को NAAC B Grade प्राप्त हो चुका है। जो महाविद्यालय की बड़ी उपलब्धि है। महाविद्यालय में समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण है। इसी आधार पर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने इस महाविद्यालय को वर्ष 2005 से तथा बृज विश्वविद्यालय भरतपुर ने सत्र 2015–16 से मुख्य परीक्षाओं का केन्द्र निर्धारित कर रखा है। कमला स्नातकोत्तर महाविद्यालय को अन्य महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं की परीक्षाओं के लिए राजस्थान सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं एवं बृज विश्वविद्यालय भरतपुर द्वारा विभिन्न परीक्षाओं का केन्द्र आवन्टित किया

जाता है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2023-24 सेमेस्टर प्रणाली स्नातक स्तर पर लागू कर दी गई है। विज्ञान एवं कला की प्रथम, द्वितीय सेमेस्टर, एम.एससी. रसायन शास्त्र एवं एम.ए. भूगोल की प्रथम वर्ष में प्रवेश उपलब्ध हैं। प्रथम सेमेस्टर के स्तर पर सभी संकायों में सीटें सीमित हैं। प्रथम सेमेस्टर गणित–240, बायो–180, कला–180, एम.एससी. रसायन शास्त्र–40, एम.ए. भूगोल में –40 सीटें उपलब्ध हैं।

आरक्षण – राज्य सरकार के नियमानुसार प्रवेश में आरक्षण की सुविधा प्रदान की जाती है।

स्नातक पार्ट प्रथम (सेमेस्टर-I)प्रवेश अर्हतायें–

स्नातक पास कोर्स व ऑनर्स कोर्स के पार्ट प्रथम (सेमेस्टर) मे प्रवेश हेतु मानदण्ड

अभ्यर्थियो का प्रकार	अर्हकारी परीक्षा* में न्यूनतम पात्रता प्रतिशत	
	पासकोर्स	ऑनर्स
राजस्थान में अवस्थित किसी भी विद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा राजस्थान के निवासी (पंचम भाग के नियम–2 में परिभाषित) जो राजस्थान राज्य के अलावा अन्य किसी स्थान से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण हों।	कला संकाय – 45 विज्ञान संकाय – 48	कला संकाय – 45 विज्ञान संकाय – 50
राजस्थान के अलावा अन्य किसी स्थान से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा राजस्थान के निवासी न हों।	60	60

*अर्हकारी परीक्षा से आशय मान्यता प्राप्त बोर्ड से नियमित या स्वयंवाठी अभ्यर्थी के रुप में उत्तीर्ण 10+2 या समकक्ष परीक्षा है।

कक्षा 12 की समकक्षकता हेतु –

1. कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण होने के पश्चात् दो या दो से अधिक वर्ष का नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (NCVT) से मान्यता प्राप्त कोर्स उत्तीर्ण करने व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान/राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल, जयपुर से 12 वीं के लिये निर्धारित कोर्स के अनुसार अंग्रेजी विषय की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं तो उन्हें आगे की शिक्षा में प्रवेश हेतु 12वीं उत्तीर्ण के समकक्ष माना जायेगा।
2. यह समकक्षकता उसी स्थिति में देय होगी जब अंग्रेजी व आई.टी.आई. की अंतिम वर्ष की परीक्षा एक ही वर्ष में उत्तीर्ण की हो अथवा अंग्रेजी की परीक्षा आई.टी.आई. करने के पश्चात् उत्तीर्ण की हो।
3. 10वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (NCVT) के दो या दो से अधिक वर्षों का मान्यता प्राप्त कोर्स उत्तीर्ण (आदेशों से पूर्व/पश्चात्) कर चुके विद्यार्थी 12वीं की

समकक्षकता अंग्रेजी की परीक्षा राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल, जयपुर/ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से उत्तीर्ण करने पर प्राप्त कर सकेंगे।

4. 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् तथा किसी मान्यता प्राप्त पोलीटेक्निक कॉलेज से 3 वर्ष का ऑल इण्डिया काउन्सिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन (AICTE) से मान्यता प्राप्त कोर्स उत्तीर्ण करने पर उन्हें आगे की कक्षा में प्रवेश हेतु कक्षा 12वीं उत्तीर्ण के समकक्ष माना जायेगा।

नोटः–

- ITI (NCVT) एवं RBSE/RSOS बोर्ड के माध्यम से 12वीं के लिए निर्धारित कोर्स के अनुसार अंग्रेजी विषय दोनों में उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही प्रवेश हेतु कक्षा 12वीं के समकक्ष होंगे।
- उक्त बिन्दुओं में वर्णित 12वीं की समकक्षता प्राप्त करने पर विद्यार्थी को विज्ञान संकाय (गणित वर्ग) का विद्यार्थी माना जायेगा।

2.1.1 सभी पात्र आवेदकों को प्रवेश देने के पश्चात् यदि किसी कक्षा/विषय के स्वीकृत वर्ग (विधि संकाय को छोड़कर) में स्थान रिक्त रह जाये तो, उपर्युक्त पात्रता में 3 प्रतिशत तक की छूट देकर रिक्त स्थानों को वरीयता क्रम में भरा जा सकेगा। इसके लिए उक्त न्यूनतम पात्रता प्रतिशत से 3 प्रतिशत क्रम तक के अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र स्वीकार किये जा सकेंगे। फिर भी महिला महाविद्यालय में स्थान रिक्त रहने पर न्यूनतम उत्तीर्णांक तक प्रवेश देय होगा।

तालिका 2.2

स्नातक पार्ट प्रथम (सेमेस्टर–1) में अभ्यर्थियों की संकायानुसार पात्रता

स्नातक पार्ट प्रथम (सेमेस्टर–1) में प्रवेश के लिए आवेदित संकाय	उत्तीर्ण अर्हकारी परीक्षा का संकाय
कला	कला/विज्ञान संकाय
विज्ञान– गणित वर्ग	केवल विज्ञान संकाय गणित समूह
विज्ञान– जीव विज्ञान वर्ग	केवल विज्ञान संकाय जीव विज्ञान समूह

*अर्हकारी परीक्षा में गणित/जीव विज्ञान को अतिरिक्त विषय के रूप में लेकर उत्तीर्ण होने बाले अभ्यर्थी दोनों विषय समूहों के लिए आवेदन कर सकते है।

2.1.2 कृषि पाठ्यक्रम से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियमों का पालन किया जायेगा, परन्तु पात्रता तालिका 2.1 के अनुसार ही रहेगी।

2.1.3 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (वोकेशनल कोर्स) में अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को केवल कला एवं वाणिज्य संकाय में ही प्रवेश दिया जा सकेगा, ऐसे अभ्यर्थियों की प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारित करने हेतु अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांक प्रतिशत अंक में से 5 प्रतिशत अंक घटा दिये जायेंगे।

2.1.4 जिन अभ्यर्थियों ने 12वीं कक्षा अतिरिक्त विषय लेकर उत्तीर्ण की है उन अभ्यर्थियों की प्रवेश वरीयता निर्धारण हेतु सर्वाधिक अंकों वाले 05 विषयों के प्राप्तांकों को जोडा जायेगा, जिसमें एक भाषा का होना अनिवार्य है। अन्य 04 विषयों में अधिकतम एक भाषा का और चयन किया जा सकता है। विज्ञान संकाय के अभ्यर्थियों के गणित/जीव विज्ञान वर्ग में प्रवेश चाहने पर उनकी प्रवेश वरीयता निर्धारण करते समय श्रेष्ठ पांच विषयों के प्राप्तांकों में एक भाषा तथा वांछित विषय (गणित/जीव विज्ञान) के प्राप्तांकों को सम्मिलित कर प्राप्तांक प्रतिशत की गणना की जावेगी।

2.4 संकाय/विषय/ऑनर्स कोर्स में परस्पर परिवर्तन

2.4.1 किसी भी संकाय में प्रवेश के बाद संकाय परिवर्तन के इच्छुक विद्यार्थियों के आवेदन पर तब ही विचार किया जा सकेगा जब इच्छित संकाय की कक्षा में स्थान रिक्त हों तथा परिवर्तन के इच्छुक विद्यार्थी के प्राप्तांक प्रतिशत इच्छित संकाय/विषय/आनर्स कोर्स में संबद्धक वर्ग में प्रविष्ट अंतिम विद्यार्थी के प्राप्तांक प्रतिशत से कम न हों।

2.4.2 संकाय परिवर्तन इच्छित संकाय में प्रवेश की पात्रता पूरी होने पर संभव होगा। ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रविष्ट विद्यार्थी का पास कोर्स में परिवर्तन तभी हो सकेगा जबकि बिन्दु 2.4.1 के साथ परिवर्तन से ऑनर्स कोर्स में प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या 20 से कम न हों।

2.4.3 संकाय/विषय परिवर्तन के लिये अनुमति, केवल विषय संयोजन (Subject combination) में स्थान उपलब्ध होने पर एक बार ही दी जावेगी। रिक्त स्थानों पर वरीयता के आधार पर प्रवेश दिया जावेगा।

2.4.4 विषय/संकाय परिवर्तन के इच्छुक विद्यार्थियों को निर्धारित समय अवधि (प्रवेश कार्यक्रम में उल्लेखित) में 200/– रू. शुल्क के साथ आवेदन पत्र जमा कराने होगे।

2.5 समान प्रतिशत होने पर वरीयता क्रम

2.5.1 यदि किसी कक्षा/विषय में बोनस अंक प्राप्त अभ्यर्थी और बोनस रहित अभ्यर्थी दोनों के वरीयता सूची में समान प्रतिशत हों तो उनमें बोनस रहित अभ्यर्थी का क्रम ऊपर होगा।

2.5.2 यदि बिन्दु 2.5.1 में भी समान होने पर कक्षा 12वीं में अधिक **प्राप्तांक प्रतिशत** वाले अभ्यर्थी का क्रम ऊपर होगा।

2.5.3 बिन्दु 2.5.2 में भी समान होने पर माध्यमिक परीक्षा में अधिक प्राप्तांक प्रतिशत वाले अभ्यर्थी का क्रम ऊपर होगा।

2.5.4 बिन्दु 2.5.3 में भी समान हों, तो अधिक आयु वाले अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी।

सभी योग्य आवेदकों को प्रवेश देने के पश्चात् यदि किसी कक्षा/विषय स्वीकृत वर्ग में स्थान रिक्त रह जाये तो उपर्युक्त पात्रता में 3% की छूट देकर रिक्त स्थानों को वरीयता क्रम में 3% कम तक के अभ्यार्थियों के आवेदन पत्र स्वीकार किये जा सकेंगे।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के नियम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

प्रवेश हेतु मानदण्ड एवं पात्रता

क्र.सं.	अभ्यर्थियों का प्रकार	पाठ्यक्रम	प्राप्तांक मानदण्ड	पात्रता
1.	राजस्थान में अवस्थित किसी विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण	एम.ए	अर्हकारी परीक्षा* में न्यूनतम 48 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक	समस्त संकायों के अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण
		एम.एससी.	अर्हकारी परीक्षा* अथवा आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक	विज्ञान सकांय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण– आवेदित विषय के साथ विज्ञान स्नातक उत्तीर्ण।
2.	राजस्थान राज्य के बाहर अवस्थित किसी विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण	समी संकाय	अर्हकारी परीक्षा* में न्यूनतम 60 प्रतिशत प्राप्तांक	एम.ए. के लिये अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण तथा एम. एससी. के लिये आवेदित विषय के साथ विज्ञान सकांय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण ।

*अर्हकारी परीक्षा से आशय मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 10+2+ (3 वर्ष या तीन वर्ष से अधिक की स्नातक परीक्षा से है)।

- स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश पात्रता हेतु सम्बद्धक विश्वविद्यालय के नियम लागू होंगे।
- स्थान रिक्त रहने की स्थिति में प्रवेश हेतु महिला अभ्यर्थियों तथा राजस्थान राज्य के बाहर अवस्थित किती विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण के अभ्यर्थियों को न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट दी जा सकेगी।

- अनुत्तीर्ण विद्यार्थी को पुनः उसी पाठ्यक्रम में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश नहीं दिया जायेगा, किन्तु उसे दूसरे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में स्नातक परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जा सकेगा
- त्रिवर्षीय विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश सामान्य/ऑनर्स स्नातक परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर दिया जा सकेगा।
- पूर्वार्द्ध उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वारा अगले सत्र में बी.एड. करने के पश्चात् महाविद्यालय की स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश लेने पर विद्यार्थी को टी'सी. के अभाव में नियमानुसार अस्थाई प्रवेश दिया जावेगा। विद्यार्थी से एक शपथ पत्र लिया जायेगा कि वह गत सत्र में बी.एड. का नियमित विद्यार्थी रहा है तथा परीक्षा परिणाम प्राप्त होने पर वह टी'सी. प्रस्तुत कर देगा अन्यथा उसका प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा।

प्रवेश नियम – राज्य सरकार एवं बृज विश्व विद्यालय भरतपुर द्वारा निर्धारित नियम ही लागू होंगे, जिसके लिए आवेदन, प्रकाशित एवं प्रेषित नियमों की जानकारी प्राप्त करके ही करें । प्रवेश सम्बन्धी नवीनतम नियम राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार ही मान्य होंगे। नूतन–प्रवेश के लिए आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार प्रमाण पत्र संलग्न करें ।

1. अर्हकारी परीक्षा की मूल अंक तालिका एवं उसकी दो सत्य प्रतिलिपियां, चरित्र प्रमाण पत्र
2. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (T-C) राजस्थान से बाहर के विद्यार्थियों के लिये Migration Certificate प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
3. जन्मतिथि के लिए सैकण्डरी परीक्षा के प्रमाणपत्र की दो सत्यापित प्रतियां
4. जाति प्रमाण पत्र
5. आय प्रमाण पत्र
6. आधार कार्ड की 2 फोटोकॉपी
7. आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों में छाया चित्र (फोटो) निर्धारित स्थानों पर लगाना आवश्यक है ।
8. दो पोस्टकार्ड मूल पते के साथ।

असफल विद्यार्थी– महाविद्यालय का असफल विद्यार्थी–कक्षा में प्रवेश योग्य नहीं है। पूरक परीक्षा योग्य विद्यार्थी को निर्धारित समय में अस्थायी प्रवेश ले लेना चहिये। छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों को राज्य सरकार को नियमानुसार छात्रवृति, समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त कॉलेज शिक्षा निदेशालय द्वारा छात्राओं को मेरिट छात्रवृति भी प्रदान की जाती है। मेट्रिकोत्तर छात्रवृत्तियों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिये आयुक्तालय कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर द्वारा प्रकाशित कलेण्डर देखें।

महाविद्यालय में उपलब्ध विषर्यो में से तीन विषय लेने है। वैकल्पिक विषय/संकाय का चयन विश्वविद्यालय के नियमानुसार ही करना पड़ेगा। गलत विषय का चयन करने पर परिणाम की समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी। जीव विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी गणित वर्ग के लिये योग्य नहीं है। इसी प्रकार गणित वर्ग के विद्यार्थी जीव विज्ञान वर्ग के लिए योग्य नहीं हैं। उच्च माध्यमिक परीक्षा कृषि से उत्तीर्ण आवेदक जीव विज्ञान प्रथम वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं। विषय/संकाय में परिवर्तन प्रवेश प्राप्त करने के बाद 15 दिनों के अन्दर निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन करने पर विचार किया जा सकता है।

अनुशासन – महाविद्यालय में अध्ययन अध्यापन के साथ अनुशासन को महत्व प्रदान किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश के समय पर माता–पिता/संरक्षक के द्वारा संलग्न शपथ पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा कि वार्ड /छात्र / छात्रा के द्वारा महाविद्यालय को गरिमा को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से गिराने का प्रयास करने पर उनके वार्ड को महाविद्यालय से निष्कासित कर दिये जाने पर उन्हें किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी।

महाविद्यालय परिसर में गुटखा, पान, तम्बाकू, धूम्रपान पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित है। उल्लंघन करने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

परिचय पत्र – प्रत्येक नियमित छात्र–छात्रा के लिए परिचय–पत्र अपने पास रखना अनिवार्य है। अतः निर्धारित शुल्क जमा करवा कर परिचय–पत्र कार्यालय से प्रवेश के समय प्राप्त कर लेना चाहिये।

विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय की आचार संहिता

1. महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए ड्रेस निर्धारित है। जिसका पालन नियमित विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। छात्रों के लिए काला पेन्ट एवं ग्रे टी शर्ट। छात्राओं के लिए काली सलवार एवं ग्रे कुर्ती अथवा काला पेन्ट एवं ग्रे टी शर्ट।
2. प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।
3. महाविद्यालय सम्पत्ति की सुरक्षा, सुव्यवस्था एवं अभिवृद्धि में प्रत्येक विद्यार्थी यथाशक्ति सहयोग करेगा।
4. महाविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं एवं मिड टर्म परीक्षाओं में सम्मिलित होना आवश्यक है।
5. परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग सर्वथा वर्जित है। अनुचित साधनों का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही राजस्थान सरकार एवं विश्वविद्यालय परीक्षा एक्ट के तहत करने का प्रावधान है।
6. प्रत्येक विद्यार्थी शिष्ट, जनोचित व्यवहार करेगा। अशिष्ट व्यवहार वर्जित एवं दण्डनीय है।
7. विद्याार्थियों से सरल, निर्व्यसन, मितव्ययी एवं सात्विक जीवन अपेक्षित है। वेशभूषा सादी तथा वातावरण के अनुरुप होना चाहिए। मादक पदार्थों का सेवन सर्वथा वर्जनीय है।
8. विद्यार्थी किसी दूसरे विद्यार्थी का शोषण व उत्पीड़न किसी प्रकार नहीं करेगा। रेगिंग पूर्णतः वर्जित है।
9. समस्या निराकरण के लिए आन्दोलन, हिंसा तथा आतंक का प्रयोग अवैधानिक एवं दण्डनीय माना जायेगा।
10. विद्यार्थी आदर्श महाविद्यालय की गरिमा के अनुकूल आचरण करेगा। समस्याओं के समाधान के लिए राजनैतिक दलों, कार्यकर्ताओं एवं संस्थाओं का सहारा नहीं लेगा तथा सक्रिय राजनीति से दूर रहेगा।
11. महाविद्यालय की शांति, सुव्यवस्था, स्वच्छता, सज्जा एवं परिसर को हरित बनाने में विद्यार्थी सहयोग देगा। अनुशासनहीन, उद्दण्ड एवं अपराधिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने वाले छात्र/छात्राओं की गोपनीय सूचना अनुशासन समिति को देकर प्रशासन का सहयोग करेगा।
12. राष्ट्रीय पर्वों/उत्सवों के आयोजन में आवश्यकतानुसार उपस्थित रहकर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेगा।

संस्था के प्रति विद्यार्थियों की जवाबदेही –

1. महाविद्यालय प्रांगण को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।
2. महाविद्यालय में लक्ष्य एवं उद्देश्यों के प्रति निष्ठावान रहें तथा सम्बन्धित गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. संस्था के नियम/अधिनियम, कार्यक्रमों एवं प्रवेश–नीति आदि के सम्बंध में स्पष्ट जानकारी रखें।
4. संस्था की पढ़ाई सम्बन्धी व्यूह रचना एवं मूल्यांकन विधियों को समझें।
5. संस्था के नियम, अधिनियम एवं निर्धारित समय–सारणी का पालन करें। कक्षा में 75 प्रतिशत अनिवार्य उपस्थिति की वैधानिक बाध्यता को सुनिश्चित करें।
6. संस्था में उपलब्ध अध्ययन सुविधाओं एवं सहायक सेवाओं का अधिकतम उपयोग करें।
7. महाविद्यालयीन व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं उपादेय बनाने हेतु लिखित सुझाव दें।
8. संस्था के आदर्श का स्वंय को प्रतिरुप मानकर व्यवहार करें। संस्था के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के प्रति सम्मान का भाव रखें तथा कार्य एवं व्यवहार में भी इसे अभिव्यक्त करें।
9. अपने सभी साथियों के साथ धर्म, जाति वर्ग का भेद न करते हुए समानता का व्यवहार करें।
10. संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये परिचय–पत्र को हमेशा साथ रखें तथा मांगने पर प्रस्तुत करें। महाविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि एवं सुविधा का लाभ बिना परिचय–पत्र के प्राप्त नहीं होगा।
11. रैगिंग एक दण्डनीय अपराध है, इस बात का विशेष ध्यान रखें।

UNDERGRADUATE & POST GRADUATE

(UG & PG) CLASSES.

हमारे महाविद्यालय में स्नातकोत्तर विभाग में शिक्षा के प्रसार में नए उत्तरोत्तर दिशानिर्देशों का सम्मिलन है, जिसका उद्दीपन अनुशासन, उत्कृष्टता और उन्नति का प्रतिष्ठान है। हम गर्व से घोषित करते हैं कि B.A , B.Sc और M.Sc (Chemistry) , M.A (Geography) के लिए अत्यधिक आकर्षक विकल्प उपलब्ध हैं।

शुल्क विवरण

कक्षा	प्रवेश. शुल्कनवीनीकरण शुल्क	शिक्षण six Month शुल्क	प्रयोगशाला शुल्क	कंप्यूटर शुल्क	पुस्तकालय शुल्क	खेल शुल्क	छात्र संघ शुल्क	कुल
B.Sc. SEM-I	1700	4200	1400	600	300	250	50	**8500**
B.Sc. SEM-II	1700	4200	1400	600	300	250	50	**8500**
B.Sc. SEM-III	1600	4800	2000		300	250	50	**9000**
B.Sc. SEM-IV	1600	4800	2000		300	250	50	**9000**
B.Sc. SEM-V	1600	5100	2100		300	250	50	**9400**
B.Sc. SEM-VI	1600	5100	2100		300	250	50	**9400**
B.A. SEM-I	1700	3600	1000	600	300	250	50	**6500/7500-भूगोल**
B.A. SEM-II	1700	3600	1000	600	300	250	50	**6500/7500-भूगोल**
B.A. SEM-III	1700	4500	1000		300	250	50	**6800/7800-भूगोल**
B.A. SEM-IV	1700	4500	1000		300	250	50	**6800/7800-भूगोल**
B.A. SEM-V	1700	4800	1000		300	250	50	**7100/8100-भूगोल**
B.A. SEM-VI	1700	4800	1000		300	250	50	**7100/8100-भूगोल**
M.Sc. Pre.	2600	14400	6000		700	250	50	**24000**
M.Sc. Final	2600	14400	6000		700	250	50	**24000**
M.A. Pre.	2000	9000	3000		700	250	50	**15000**
M.A. Final	2000	9000	3000		700	250	50	**15000**

Available Courses

विभागीय संकाय विवरण

विषय –

महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के द्वारा अनुसार पाठ्यक्रम संचालित है। स्नातक स्तर विज्ञान संकाय में AEC के अन्तर्गत अंग्रेजी, हिन्दी ऐच्छिक विषय गणित, भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, कला संकाय में AEC के अन्तर्गत अंगेजी, हिन्दी तथा ऐच्छिक विषय हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल ।

स्नातक स्तर विज्ञान एवं कला संकाय में अनिवार्य हिन्दी एवं अनिवार्य अंग्रेजी के अतिरिक्त नई शिक्षा नीति के द्वारा प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टर में Value Added Course (VAC) एवं Skill Enhacement Course (SEC) Course संचालित है। सभी कोर्स रोजगारोन्मुखी है। जो इस प्रकार है–

VAC – NSS, Anandam

SEC – Computer Fundamental

विज्ञान संकाय (Science Faculty)

गणित विभाग (Department of Maths)

विवरण-

इस विभाग में बेसिक गणित विशेषज्ञता क्षेत्रों में कोर्स और प्रायोगिक अनुभव अध्यापन होता है। इस विभाग में विश्वविद्यालय द्वारा 240 विद्यार्थियों के लिए प्रवेश सीट उपलब्ध हैं। गणित को विभिन्न टूल्स एंड टैकनिक द्वारा स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से अध्यापन कराने की सुविधा उपलब्ध है, साथ ही गणित से सम्बन्धित प्रायोगिक तकनीकियों द्वारा प्रायोगिक कार्य करवाया जाता है।

भौतिक शास्त्र विभाग (Department of Physics)

विवरण-

विभाग अपने छात्रों को बुनियादी विज्ञान की दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अनुसंधान प्रदान करने की परिकल्पना करता है। विभाग के पास भौतिकी के लगभग सभी क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचा है। विभाग स्नातक (यूजी) छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता और अंतःविषय शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

रसायन शास्त्र विभाग (Department Of Chemistry UG & PG)

विवरण-

रसायन विज्ञान विभाग सबसे जीवंत और आकर्षक विज्ञान विषयों में से एक है। शिक्षण एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त शिक्षको द्वारा अध्यापन कराया जाता है। इस विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सेमिनार ,कांफ्रेंस ,वर्कशॉप, प्रोजेक्ट कार्य एवं शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। स्नातक स्तर पर इस विभाग में 240 सीट हैं एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 40 सीट उपलब्ध हैं। इस विभाग में स्नातक स्तर पर वैज्ञानिक उपकरणों सहित सुसज्जित 3 प्रयोगशाला है तथा स्नातकोत्तर स्तर पर दो प्रयोगशाला हैं।इस विभाग में शोध सम्बन्धी सुविधा भी उपलब्ध है।

वनस्पति शास्त्र विभाग (Department of Botany)

विवरण–

वनस्पति विज्ञान विभाग,यह छात्रों को पौधों, जीवन में उनकी भूमिका और उनके महत्व से परिचित कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग विषय में छात्रों की रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों, विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों का दौरा आयोजित करता है। वनस्पति विज्ञान बुनियादी और महत्वपूर्ण विज्ञान है क्योंकि यह नई पीढ़ी के लिए कैरियर विकल्पों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। साथ ही कृषि, बागवानी और वानिकी विभाग, नर्सरी और जैविक आपूर्ति गृह, फसल सुधार, पर्यावरण निगरानी, जैव प्रौद्योगिकी फर्म, दवा, खाद्य और रासायनिक कंपनियों, और अनुसंधान शिक्षण नौकरियों जैसे निजी क्षेत्रों में भी विट्रो औषधीय पौधों के संग्रह के साथ पादप ऊतक संवर्धन नियंत्रित वातावरण के साथ प्लांट टिशू कल्चर प्रयोगशाला, लैमिनर वायु प्रवाह, शेकर्स, प्लांट बायोरिएक्टर के लिए सेट अप, मिलि क्यू वॉटर फिल्ट्रेशन यूनिट के साथ तैयारी और विश्लेषणात्मक क्षेत्र, सटीक संतुलन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इमेजिंग सुविधा के साथ एलईआईसीए माइक्रोस्कोप, पीएच मीटर, चुंबकीय स्टिरर, इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयां , पावर पैक, रासायनिक भंडारण इकाई, माइक्रोवेव, निष्कर्षण इकाइयां, रेफ्रिजरेटर, के लिए धुलाई और सुखाने की सुविधाएं उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में 2 Green Houses एवं 2 Botanical Garden हैं।

जन्तु शास्त्र विभाग (Department of Zoology)

विवरण

इस विभाग में विद्यार्थियो को जीव जन्तुओ से सम्बंधित अध्यापन कराया जाता है। यह विभाग मूल्यअधिपति शिक्षण से सम्बंधित है। यह विभाग शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए उपयुक्त है। यह विभाग जन्तु जगत की विभिन्नता एवं विकास के अध्ययन से सम्बन्धित है।

इस विभाग में 2 प्रयोगशालाऐं सुविकसित हैं। जिनमें विद्यार्थियों को जन्तु जगत के विभिन्न जन्तुओं का स्पेशीमन, स्लाईड, अस्थियों आदि का प्रत्यक्ष एवं माइक्रोस्कोप द्वारा अध्ययन कराया जाता है तथा विद्यार्थियों में शोध रुचि उत्पन्न करने हेतु Staining Permanent Slide Preparation, Microtomy, Bones Study, Water Analysis, Physiological Experimental Study, Biochemical Study, Microscopic Study, Animal Diversity, Environmental Study आदि प्रायोगिक कार्यों की सुविधा उपलब्ध है।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग (Department of Computer Science)

विवरण

इस विभाग में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के नियमानुसार 20 कम्प्यूटर युक्त एक आधुनिक प्रयोगशला उपलब्ध है।

कला संकाय (Art Faculty)

भूगोल विभाग (U.G & P.G Department of Geography)

विवरण– इस विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाऐं संचालित है। विद्यार्थियों को भौगोलिक ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए सुविकसित भूगोल प्रयोगशाला उपलब्ध है। यहाँ विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध है तथा उनको पृथ्वी, पर्यावरण, जीवन कौशल सम्बन्धी जानकारी दी जाती है।

प्रयोगशाला सुविधाएं:

भूगोल प्रयोगशाला में उन्नत सुविधाएं हैं जो अध्ययन को सरल एवं रुचिकर बनाती है।

अंग्रेजी विभाग (Department of English)

अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न लेखकों, कवियों, और नाटककारों की कला से परिचित कराता है, जिससे उनकी भाषा और साहित्य की समझ में विकास होता है। Language Lab से छात्रों की भाषा कौशल पर जोर दिया जाता है। Workshop, Lectures आयोजित किये जाते हैं। अंग्रेजी भाषा की निपुणता पर बल दिया जाता है।

हिंदी विभाग (Department of Hindi)

हिंदी पाठ्यक्रम छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के माध्यम से उनकी सांस्कृतिक विरासत को समझाता है।

इतिहास विभाग (Department of History)

इतिहास विभाग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो छात्रों को ऐतिहासिक घटनाओं, सामाजिक परिवर्तनों, और विचारशील उपलब्धियों के माध्यम से समाज के गहरे ज्ञान को समझाता है। सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान कराते हुए अतीत की महत्ता को बताता है। प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अध्यापन कराया जाता है।

समाजशास्त्र विभाग (Department of Sociology)

समाजशास्त्र विभाग एक महत्वपूर्ण विभाग है जो छात्रों को समाज के सांस्कृतिक, आर्थिक, और राजनीतिक पहलुओं को समझने में मदद करता है।

राजनीति विज्ञान विभाग (Department of Political Science)

यह विभाग राजनीति के मुद्दों, संविधान, और शासन के प्रमुख विषयों से विद्यार्थियों को परिचित या अवगत कराता हैं। राजनीति विज्ञान के आयामों का अनन्य क्षेत्रों में अभिनव प्रयोग के साथ पाठ्याभियोजन, संवैधानिक मूल्यों सहित लोकतंत्र और राज्य निर्माण के मूलभूत विषयों का अध्यापन व शिक्षण कराया जाता है।

संस्कृत विभाग (Department of Sanskrit)

यह विभाग संस्कृत के महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को प्राचीन संस्कृति, भाषा, और साहित्य के साथ परिचित कराता हैं।

अर्थशास्त्र विभाग (Department of Economics)

यह विभाग विद्यार्थियों में भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय अर्थतन्त्र को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो वर्तमान समय की आवश्यक अर्थव्यवस्था को समझने में मदद करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S)

विवरण –

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) भारत में एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य छात्रों की व्यक्तित्व और चरित्र को समुदाय सेवा के माध्यम से विकसित करना है। यह 1969 में युवा कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

एन.एस.एस युवा सेवकों को साफ–सफाई अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य, साक्षरता, और पर्यावरण पर जागरूकता कार्यक्रम जैसे विभिन्न सामाजिक सेवा परियोजनाओं में काम करने का अवसर प्रदान करती है।

एन.एस.एस में भाग लेने से छात्रों में नेतृत्व कौशल, सामूहिक कार्य, और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

एन.एस.एस की गतिविधियों का मुख्य ध्यान ग्रामीण विकास और समाज के पिछड़े क्षेत्रों की उन्नति पर होता है, जिससे राष्ट्र के सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान मिलता है।

खेलकूद विभाग (Department of Sports)

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए इन्डोर एवं आउटडोर गेम्स से सम्बन्धित सभी उपकरण एवं सुविधाऐं तथा एक अलग से खेल मैदान उपलब्ध है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय (Library & Reading Room)

महाविद्यालय में आधुनिक सुविधायुक्त, डिजिटलाइजड, सुसज्जित, सम्पन्न एवं विशाल पुस्तकालय है। वर्तमान में 10000 से भी अधिक महत्वपूर्ण पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में हिन्दी एवं अंग्रेजी के दैनिक समाचार पत्र तथा शोध पत्रिकाऐं मंगाई जाती है।

आवश्यक सूचनाएँ –

1. आवेदक एवं उनके अभिभावक से अपेक्षा हे कि विवरणिका को पूर्णतः पढ़ लें। विद्यार्थी अपना प्रवेश आवेदन फार्म स्वंय भरें एवं महाविद्यालय में स्वयं जमा करें।
2. विद्यार्थी प्रवेश शुल्क स्वयं जमा करके मूल–प्रवेश–रसीद प्राप्त कर उसे सुरक्षित रखें।
3. प्रवेश आवेदन फार्म के साथ अंकसूचियों एवं अन्य प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां संलग्न करें। प्रवेश के समय इन्हें सत्यापित करवायें। संलग्न प्रमाण पत्रों के आधार पर ही प्रवेश अधिभार प्रदान किया जावेगा।
4. प्रवेश सम्बन्धी समस्त नियम एवं सूचनाएँ समय–समय पर महाविद्यालय के सूचना पटल पर चस्पा की जायेगी।
5. जाली प्रमाण पत्रों के आधार पर गलत जानकारी दिये जाने/प्रशासनिक अथवा कार्यालयी त्रुटिवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल जाता है, तब ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य को होगा। ऐसी स्थिति में शुल्क वापस नहीं होगा।
6. सत्र के मध्य में विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ने/प्रवेश निरस्त होने /निष्कासित किए जाने की दशा में प्रतिभूति राशि के अतिरिक्त अन्य शुल्क वापस नहीं किया जावेगा।
7. रेगिंग में लिप्त विद्यार्थियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय से निष्कासन, छात्रवृति तथा अन्य प्रदत्त लाभ वापस लेने की कार्यवाही के अतिरिक्त अर्थदण्ड और सार्वजनिक क्षमायाचना का भी प्रावधान रहेगा।

पाठ्योतर गतिविधियां एवं अन्य सेवायें

(Co-Curriculur and Entenson Services)

IQAC

महाविद्यालय में विद्यार्थियों की शोधार्थी सोच विकसित करने के लिए IQAC का गठन किया गया है जिसके माध्यम से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला (Workshop) तथा प्रसार भाषण श्रंखला का आयोजन किया जाता है। तथा इसी Cell द्वारा Faculty Development Programme के लिए समस्त आचार्यों एवं विद्यार्थियों को शोध पत्र के प्रकाशन तथा Project कार्य योजना के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है। महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों को देश एवं विदेश में होने वाली संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित कियाजाताहै।

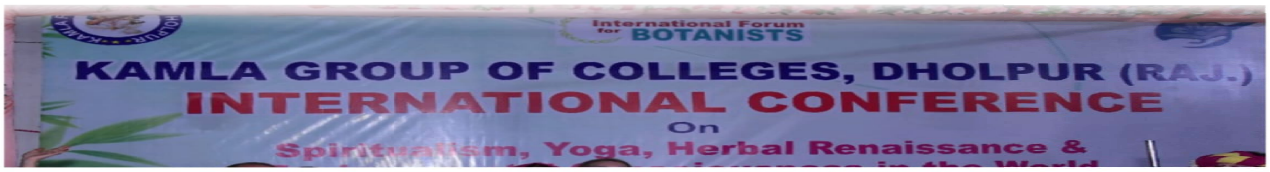

आंतरिक समितियां एवं प्रकोष्ठ

महाविद्यालय के समस्त कार्यो को करने के लिए निम्न गठित कमेटियाँ है।

1. **NAAC समिति**
   संयोजक – डॉ0 के0के0उपाध्याय सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, डॉ0 ओ0पी0 उपाध्याय
2. **IQAC समिति**
   संयोजक – डॉ0 के0के0 उपाध्याय सदस्य – डॉ0 ओ0पी0 उपाध्याय, डॉ0 अर्चना शर्मा
3. **अनुशासन समिति**
   संयोजक – डॉ0 के0के0 उपाध्याय, सदस्य – डॉ0 गौरी दीक्षित, श्री कल्याण सिंह
4. **राष्ट्रीय सेवा योजना समिति**
   संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – श्री रजनीश वन गोस्वामी
5. **क्रीड़ा समिति**
   संयोजक – डॉ0ओ0पी0 उपाध्याय सदस्य – श्री रजनीश वन गोस्वामी, श्री उदयभान सिंह
6. **छात्रवृति प्रकोष्ठ**
   संयोजक – डॉ0 अभयवीर सिंह सदस्य – डॉ0 नीरु शर्मा, श्री अंशुल सौनी, श्री हर्ष गौड़
7. **महिला प्रकोष्ठ**
   संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – डॉ0 गौरी दीक्षित
8. **सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैज्ञानिक कार्यक्रम, परामर्श मण्डल**
   संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, श्री रोहिताष सिंह
9. **कला परिषद विज्ञान परिषद**
   संयोजक – डॉ0 के.के. उपाध्याय सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, श्री रोहिताष सिंह, श्री रजनीश
10. **युवा उत्सव कार्यक्रम**
    संयोजक – डॉ0 नीरु शर्मा सदस्य – डॉ0 के.के. उपाध्याय, डॉ0 अर्चना शर्मा, श्री बबलू
11. **पूर्व छात्र समिति**
    संयोजक – डॉ0 के.के. उपाध्याय, सदस्य – श्री नीरज बाबू, श्री रोहिताष सिंह
12. **परीक्षा प्रकोष्ठ**
    संयोजक – डॉ0 के0के0 उपाध्याय सदस्य – श्री रोहिताष सिंह, श्री रजनीश वन गोस्वामी
13. **शोध समिति**
    डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय, डॉ0 के.के. अपाध्याय, डॉ0 अभयवीर सिंह, डॉ0 नीरु शर्मा, डॉ0 अर्चना शर्मा, डॉ0 गौरी दीक्षित
14. **अनुसूचित जाति/जनजाति/ओ.बी.सी. प्रकोष्ठ**
    संयोजक – डॉ0 अभयवीर सिंह सदस्य – श्री रोहिताष सिंह, श्री कल्याण सिंह
15. **शिकायत निवारण प्रकोष्ठ**
    संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – श्री अंशुल सौनी, श्री हर्ष
16. **समय सारिणी समिति**
    संयोजक – डॉ0 के.के. उपाध्याय सदस्य – डॉ0 गौरी दीक्षित, श्री बबलू
17. **प्रवेश विवरणिका समिति**
    संयोजक –डॉ0 पी.एस. तिवारी सदस्य– डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय, डॉ0 के.के. उपाध्याय,श्री अंशुल सौनी
18. **सूचना का अधिकार समिति**
    संयोजक – श्री नीरज बाबू सदस्य – श्री अंशुल सौनी

19. अभिलेख प्रमाणीकरण समिति

संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – श्री नीरज बाबू, श्री अंशुल सौनी

20. महिला उत्पीडन निरोधक प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 नीरु शर्मा सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, डॉ0 के.के. उपाध्याय

21. रोजगार नियोजन प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 के.के. उपाध्याय सदस्य – श्री रोहिताष सिंह, श्री बबलू

22. मार्गदर्शन एवं सूचना प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 पी.एस. तिवारी सदस्य – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय, डॉ0 के.के. उपाध्याय

23. शिक्षक पालक प्रकोष्ठ

संयोजक – श्री नीरज बाबू सदस्य – श्री रोहिताष सिंह

24. पुस्तकालय समिति

संयोजक – श्रीमती सुमन राना सदस्य – श्री विपिन निर्मल

25. विद्यार्थी समस्या निवारण समिति

संयोजक – श्री नीरज बाबू सदस्य – डॉ के.के. उपाध्याय, श्री रोहिताष सिंह

26. स्वास्थ्य प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 पी.एस. तिवारी

27. उद्यमिता जागृति प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 अभयवीर सिंह सदस्य– डॉ0 के.के. उपाध्याय, डॉ0 अर्चना शर्मा

28. महाविद्यालय वेबसाइट समिति

संयोजक – श्री अंशुल सौनी सदस्य – श्री विपिन निर्मल, श्री हर्ष गौड

29. विकास एवं नियोजन समिति

संयोजक – डॉ0 पी.एस. तिवारी सदस्य – श्री नीरज बाबू, श्री अंशुल सौनी

30. ऑनलाईन कार्य समिति

संयोजक – श्री अंशुल सौनी सदस्य – श्री हर्ष गौड, श्री विपिन निर्मल

31. समन्वय समिति

संयोजक – डॉ0 पी.एस. तिवारी सदस्य – श्री नीरज बाबू, श्री अंशुल सौनी

32. यू.जी.सी. प्रकोष्ठ

संयोजक – डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय सदस्य – श्री नीरज बाबू, श्री अंशुल सौनी, श्री विपिन निर्मल

33. भारतीय ज्ञान वर्धन समिति

संयोजक – डॉ0 अभयवीर सिंह, डॉ0 नीरु शर्मा, श्री बबलू

34. कार्यक्रम परिणाम एवं पाठ्यक्रम परिणाम समिति

संयोजक – डॉ0 के0के0 उपाध्याय सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, श्री कल्याण सिंह

35. एंटी रैगिंग समिति

संयोजक – डॉ0 ओ0पी0 उपाध्याय सदस्य – डॉ0 नीरु शर्मा, डॉ0 के0के0 उपाध्याय

36. योजना समिति

संयोजक – डॉ0 अभयवीर सिंह सदस्य – डॉ0 अर्चना शर्मा, श्री रोहिताष सिंह

37. केन्द्रीय खरीद समिति

संयोजक – डॉ0 पी0एस0 तिवारी सदस्य – श्री नीरज बाबू, डॉ0 ओ0पी0 उपाध्याय

38. प्रवेश एवं परामर्श समिति

संयोजक – श्री नीरज बाबू सदस्य – श्री कल्याण सिंह, श्री रजनीश वन गोस्वामी

वार्षिक कार्यक्रम

विवरण –

वार्षिकोत्सव का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व को प्रकट करना है। हमारा लक्ष्य छात्रों को सांस्कृतिक, शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम विद्यार्थियों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास करना है। और उन्हें एक–दूसरे को समझने का अवसर प्रदान करना है।

पूर्व में आयोजित विभिन्न शोध संगोष्ठियां एवं फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम

- International Conference on Spiritualism,Yoga,Herbal,Renaissance & Environmental & Consciousness In The World
- National Conference on Emerging Environmental Issues:Challenges & Suggestions
- International Workshop on Research & Research Methdology
- International Workshop on Intellectual Property Rights: Awareness & Imlpementation
- National Workshop on Entrepreneurship And Various Dimension
- National Workshop on Green Audit
- National Workshop on Intellectual Property Rights Awareness & Mission
- National Workshop on Naitik Mulya Vartman Prasangakita
- National Workshop on Research & Research Methdology
- National Workshop on Yoga & Health
- National Workshop on Intellectual Rights: A New Perspective
- National Workshop on Moral Values: Present Relevance
- Workshop on Use Mobiles: Good or Bad?
- Workshop on Research Trends in India
- Workshop on Scope of Competitions
- Workshop on Social Media: Scope For Students
- One Week Online Faculty Development Programme on Teaching-Learning Environmental in colleges & universities: Trends & Required Innovations
- One Week Online Faculty Development Programme on Teaching-Learning Enhancement in Higher Educational Institutes Through ICT

Infrastructure Development

1. Technology enabled Hearing facilities
2. Confrence Hall
3. Laboratories (Chemistry, Physics , Botany , Zoology , Maths Geography,Computer)
4. Library Facilities (10000 Books , Magzines , Journals Wifi)
5. Hostels (Boys& Girls)
6. Canteen Facilities
7. Sports Facilities (Indoor & Oudoor Games)
8. Auditorium
9. Smart Classrooms
10. Departmental Rooms
11. Disabled Friendly Environment
12. Green Campus
13. Play Grounds
14. Incubation Centre
15. Yoga Centre
16. Extra Classes For Competitive Examination
17. Health Centre
18. Dance & Music Classes
19. Gym & Fitness Centre

महाविद्यालय के विभाग एवं शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ

निदेशक

डॉ0 राजेश शर्मा

प्राचार्य

डॉ0 पी.एस. तिवारी

हिन्दी विभाग

डॉ0 अभयवीर सिंह–एम.ए.,एम.फिल नेट, पीएच.डी

अंग्रेजी विभाग

डॉ0 ओ.पी. उपाध्याय –एम.ए.,एम.फिल,पीएच.डी

संस्कृत विभाग

डॉ0 गौरी दीक्षित –एम.ए., पीएचडी

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ0 अर्चना शर्मा –एम.ए., पीएचडी

समाजशास्त्र विभाग

डॉ0 नीरु शर्मा –एम.ए., पीएचडी

इतिहास विभाग

श्री कल्याण सिंह – एम.ए, नेट

राजनीति विज्ञान विभाग

श्री रामकुमार गुर्जर – एम.ए, नेट
श्री योगेन्द्र पाराशर एम.ए. नेट

भूगोल विभाग

श्री रजनीश वन गोस्वामी –एम.ए, नेट
श्री वैभव सौनी – एम.ए, नेट

गणित विभाग

श्री सौरव शर्मा –एम.एससी

कम्प्यूटर साईंस विभाग

श्री नीरज बाबू – पी.जी.डी.सी.ए

भौतिक विज्ञान विभाग

डॉ0 रामरज लाल शर्मा – एमएस.सी, पीएच.डी
श्री अरविन्द शुक्ला – एम.एससी

रसायनशास्त्र विभाग

डॉ0 के.के. उपाध्याय – एम.एससी, नेट, गेट, पीएच.डी
श्री रोहिताष सिंह – एम.एससी पीएच.डी (Pursuing)

जन्तुशास्त्र विभाग

डॉ0 पी.एस. तिवारी – एम.एससी पीएच.डी

वनस्पतिशास्त्र विभाग

डॉ0 सुरेन्द्र अग्रवाल – एम.एससी पीएच.डी
श्री बबलू – एम.एससी., पीएच.डी (Pursuing)

पुस्तकालय विभाग

श्रीमती सुमन राना – एम.लिब
श्री विपिन कुमार निर्मल –एम.लिब, नेट, जे.आर.एफ.

प्रशासनिक स्टाफ

श्री नीरज बाबू कोषाध्यक्ष
श्री अंशुल सौनी प्रशासनिक अधिकारी
श्री हर्ष गौड वरिष्ठ कार्यालय सहायक
श्रीमती नम्रता कनिष्ठ कार्यालय सहायक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री मुन्नालाल
श्री मुन्ना लाल शर्मा
श्रीमती सलमा
श्रीमती सुमन
श्रीमती गोमती
श्री अजीत सफाई कर्मचारी

गार्ड

श्री रामवी